ज्ञान शांति मैत्री

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

अमित कुमार विश्वास
मानद् पब्लिसिटी अधिकारी
Amit Kumar Bishwas
Honorary Publicity Officer

दूरभाष/Phone : 07152-252651
फैक्स/Fax: 07152-252651/230903
मो./Mobile: 09970244359

अजीत सिंह हिंदी विवि के नए वित्ताधिकारी

वर्धा 03 जून, 2011; पंजाब प्रांत के अजीत सिंह ने महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा में नए वित्ताधिकारी के रूप में कार्यभार ग्रहण किया। पूर्व वित्ताधिकारी एम.एस.खान के यहां से जाने के उपरांत गत माह से यह पद रिक्त था। विश्वविद्यालय के कुलपति विभूति नारायण राय, प्रतिकुलपति प्रो.ए.अरविंदाक्षन, कुलसचिव डॉ.के.जी.खामरे, विशेष कर्तव्याधिकारी नरेन्द्र सिंह ने नवनियुक्त वित्ताधिकारी को बधाई व शुभकामनाएं दी।

बहुमुखी प्रतिभा संपन्न अजीत सिंह अपने कैरियर की शुरूआत फरवरी 1983 में महालेखाकार पंजाब में मंडल लेखाकार के रूप में की। 1986 ई में सिविल सेवा परीक्षा उत्तीर्ण करने के उपरांत सन् 1987 में केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) में असिस्टेंट कमाण्डेंट के पद पर कार्य करने वाले श्री सिंह बीसीसीएल, यूएन मिशन, एनएफएल, बीएचईएल, एनएचपीसी, आईओसीएल, सेल जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों तकरीबन 28 वर्षों से लेखा, स्थापना, प्रशासन, रिक्रूटमेंट, विजिलेंस व इनवेस्टीगेशन के कार्यों का निष्पादन करते रहे। उन्होंने अर्थशास्त्र से एम.ए., एम.फिल. करने के उपरांत पढाई को अपना साथी समझा। यही कारण है कि फॉरेंसिक साइंस, साइबर लॉ, पर्सनल मैनेजमेंट की पढाई की। सरकारी सेवा में 'कार्य-संस्कृति' की मिसाल पेश करने के कारण ही वे कई पुरस्कारों से सम्मानित किए गए। वे वर्ष 2004 में राष्ट्रपति पुलिस मेडल से सम्मानित किये गए। वित्तीय प्रबंधन, लोक प्रशासन, विजिलेंस मैनेजमेंट, क्राइम प्रिवेंशन एण्ड डिटेक्शन के क्षेत्र में विशेष रूचि रखनेवाले अजीत सिंह कहते हैं कि गांधीजी के नाम पर स्थापित विश्वविद्यालय में कार्य करने का मौका पाकर, साथ ही कुलपति विभूति नारायण राय जी के सानिध्य में कार्य करने का अवसर प्राप्त होने से मैं बहुत ही प्रसन्नचित्त हूं। यहां मैं देख रहा हूं कि यह विश्वविद्यालय बहुत जल्द ही अपना आकार ले सका है। उन्होंने बताया कि हिंदी माध्यम से विदेशी भाषा (स्पेनिश, चीनी, फ्रेंच, जापानीज) पढाया जाना बहुत आकर्षित करता है। साथ ही यहां पारंपरिक पाठ्यक्रमों से इतर जनसंचार, फिल्म एवं नाट्यकला, एमबीए, बीबीए, मास्टर ऑफ लैंग्वेज इंजीनियरिंग जैसे रोजगारपरक पाठ्यक्रमों की पढाई अनुसंधानात्मक प्रवृति से करायी जा रही है। यह विश्वविद्यालय देश और दुनिया में एक मिसाल स्थापित करेगा। नेशनल लॉ इंस्टीटयूट, नई दिल्ली से साइबर लॉ की पढाई करने वाले श्री सिंह का मानना है कि नव उदारवाद के दौर में साइबर क्राइम खासकर ई-टेरोरिज्म एक गंभीर खतरा बन रहा है। हमें इन खतरों से मुकाबला करने की जरूरत है।

हिंदी विश्वविद्यालय में नए वित्ताधिकारी अजीत सिंह को विवि के परामर्शदाता डॉ.एस.कुमार, एमबीए, बीबीए के संयोजक डॉ.एम.एम.मंगोडी, उपवित्ताधिकारी प्रेम शंकर, उपकुलसचिव (स्थापना एवं प्रशासन) पी.एस.सिंह, उपकुलसचिव (अकादमिक) क़ादर नवाज़ खान, बीएस मिरगे, अमित विश्वास, उमांकांत शुक्ला, वृजेश पाटील, विनोद वैद्य, राजेश अरोडा, राजीव पाठक, अतुल सोबती, अमित पांडे, संजय तिवारी, विवेक त्रिपाठी, पवन कुमार, विजेन्द्र प्रताप सिंह, संगीता मालवीय सहित शैक्षणिक, गैर-शैक्षणिक कर्मियों ने बधाई दी है।

अमित कुमार विश्वास